<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

विश्व ऊर्जा कांग्रेस 2024: इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने नवीन और उभरती आरई प्रौद्योगिकियों के लिए अभिनव वित्तपोषण समाधान का प्रस्ताव रखा

रॉटरडैम, नीदरलैंड

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने 24 अप्रैल 2024 को रॉटरडैम, नीदरलैंड में आयोजित 26वीं विश्व ऊर्जा कांग्रेस में "नई परस्पर निर्भरता: विश्वास, सुरक्षा और जलवायु लचीलापन" के बारे में एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

इस चर्चा के दौरान, श्री दास ने ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में भारत की यात्रा के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की और देश में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के बारे में आगे बढ़ाने के लिए इरेडा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता हासिल करने के भारत की महत्वाकांक्षी लक्ष्य, यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई में आशा की किरण के रूप में स्थापित करता है। उन्होंने वर्ष 2070 तक नेट - जीरो उत्सर्जन हासिल करने के बारे में भारत की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। आरई क्षेत्र में तीव्र से प्रगति के साथ, भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है।

देश की सबसे बड़ी विशुद्ध ग्रीन फाइनेंसिंग एनबीएफसी के रूप में, इरेडा ऊर्जा परिवर्तन के लिए तीव्रता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्री दास ने ऊर्जा परिवर्तन परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करने, जोखिमों को कम करने के लिए नवीन वित्तीय साधनों का उपयोग करने और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए इरेडा के प्रयासों पर जोर दिया।

इस पैनल चर्चा के दौरान मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट के बारे में भी संबोधित करते हुए, श्री दास ने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विविधीकरण और मजबूत बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर दिया । उन्होंने मजबूत विद्युत नेटवर्क के माध्यम से क्षेत्रीय बाजारों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। इरेडा के सीएमडी ने बॉण्ड बाजार को और अधिक मजबूत करने और अतिरिक्त वैश्विक/स्थानीय निवेशों बढ़ाने के लिए घरेलू पेंशन/बीमा निधियों से आरई बॉण्ड में एयूएम का 4-5% आवंटन का अधिदेश भी प्रस्तावित किया।

अंत में, श्री दास ने हरित अर्थव्यवस्था के लिए इरेडा की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की और कहा कि, कंपनी लगातार निवेश को आकर्षित कर रही है, तकनीकी प्रगति को बढ़ावा दे रही है और नीतिगत सुधारों की वकालत कर रही है। जैसे-जैसे भारत वर्ष 2070 तक नेट – जीरो उत्सर्जन हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, इरेडा एक स्थायी और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन करते हुए सबसे आगे बना हुआ है।

इस पैनल चर्चा में भाग लेने वाले अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं में सुश्री लुईस किंगहम सीबीई, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, यूरोप और देश की प्रमुख, यूके, बीपी; श्री एंडी ब्रोगन, वैश्विक ऊर्जा और संसाधन रणनीति लीडर, ईवाई; और श्री रिकुआर्टे वास्केज़ मोरालेस, प्रशासक, पनामा नहर प्राधिकरण शामिल थे।